विद्यापरिषद की 14वीं बैठक की कार्यवाही

दिनांक 17, अप्रैल 2023 को पूर्वान्ह 11:00 बजे सभागार में सम्पन्न विद्या परिषद की 14वीं बैठक की कार्यवाही में निम्नलिखित सदस्यगण उपस्थित रहें :–

1. प्रो0 एन0बी0 सिंह, माननीय कुलपति – अध्यक्ष।
2. प्रो0 मनोज दीक्षित, पूर्व कुलपति, डॉ0 राम म0 लो0 अवध विश्वविद्यालय,अयोध्या। **(Online)** – सदस्य।
3. प्रो0 सी0के0 दीक्षित, विभागाध्यक्ष, भौतिक विज्ञान विभाग, डॉ0 श0मि0रा0पु0वि0वि0,लखनऊ। – सदस्य।
4. प्रो0 राजीव मनोहर, भौतिक विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ। – सदस्य।
5. प्रो0 मसऊद आलम, संकायाध्यक्ष, कला एवं मानविकी संकायाध्यक्ष/पुस्तकालय प्रभारी। – सदस्य।
6. प्रो0 माहरुख मिर्ज़ा, आचार्य, वाणिज्य विभाग। – सदस्य।
7. प्रो0 सैय्यद हैदर अली, विभागाध्यक्ष, व्यवसाय प्रशासन विभाग। – सदस्य।
8. प्रो0 चन्दना डे, संकायाध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान संकाय। – सदस्य।
9. प्रो0 एहतेशाम अहमद, संकायाध्यक्ष, वाणिज्य संकाय। – सदस्य।
10. प्रो0 तनवीर खदीज़ा, विभागाध्यक्ष, अंग्रेज़ी विभाग। **(Online)** – सदस्य।
11. प्रो0 फखरे आलम, विभागाध्यक्ष, उर्दू विभाग। – सदस्य।
12. प्रो0 सौबान सईद, आचार्य, उर्दू विभाग/अधिष्ठाता, छात्र कल्याण। – सदस्य।
13. डॉ0 मुशीर अहमद, सह आचार्य, व्यवसाय प्रशासन विभाग। – सदस्य।
14. डॉ0 प्रवीण कु0 राय, विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग। – सदस्य।
15. डॉ0 तत्हीर फ़ातमा, संकायाध्यक्ष, विज्ञान संकाय, सह–आचार्य, गृह विज्ञान विभाग। – सदस्य।
16. डॉ0 जमाल शब्बीर रिज़वी, सह–आचार्य, उर्दू विभाग। – सदस्य।
17. डॉ0 मोहम्मद अकमल, सहायक आचार्य, उर्दू विभाग। – सदस्य।
18. डॉ0 वसी अहमद आज़म अंसारी, सहायक–आचार्य, उर्दू विभाग। – सदस्य।
19. डॉ0 पूनम चौधरी, सहायक आचार्य, इतिहास विभाग। – सदस्य।
20. श्री अजय कृष्ण यादव, कुलसचिव। – सदस्य सचिव।

सर्वप्रथम अध्यक्ष महोदय की आज्ञा से कुलसचिव द्वारा समस्त सदस्यों का स्वागत करते हुए बैठक की कार्यवाही प्रारम्भ की गयी। कुलसचिव द्वारा प्रस्तुत कार्यसूची पर विद्या परिषद् द्वारा बिन्दुवार निम्नांकित निर्णय लिये गये :–

बिन्दु सं0–1 **विद्यापरिषद् की 13वीं बैठक दिनांक 24 जनवरी, 2023 की संलग्न कार्यवाही के सम्पुष्टिकरण पर विचार।**

परिषद् द्वारा विद्या परिषद् की 13वीं बैठक दिनांक 24 जनवरी, 2023 की कार्यवाही को सर्वसम्मति से सम्पुष्ट किया गया।

बिन्दु सं0–2 **विद्यापरिषद् की 13वीं बैठक दिनांक 24 जनवरी, 2023 की कृत कार्यवाही। (ATR)**

परिषद् द्वारा विद्या परिषद् की 13वीं बैठक दिनांक 24 जनवरी, 2023 की कृत कार्यवाही को सर्वसम्मति से सम्पुष्ट किया गया।

बिन्दु सं0–3 **उर्दू विभाग के शोधार्थी श्री मुख्तार अहमद ज़ाहिद की पी.एच.डी. शीर्षक बदलने हेतु उर्दू विभाग की डी.आर.सी. दिनांकित 21–11–2022 का कार्यवृत्त पर विचार।**

परिषद् द्वारा सम्बंधित प्रकरण पर गहन विचारोपरान्त विश्वविद्यालय पी0एच0डी0 अध्यादेश में उल्लिखित व्यवस्था तथा उर्दू विभाग की डी0आर0सी0 बैठक में लिए गये निर्णय के सापेक्ष सम्बंधित शोधार्थी श्री मुख्तार अहमद ज़ाहिद के शोध शीर्षक को बदलने सम्बंधी संस्तुति को सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।
उक्त के अतिरिक्त परिषद् के समस्त सदस्यों द्वारा पी0एच0डी0 अध्यादेश में उल्लिखित व्यवस्था के आलोक में शोधार्थी श्री मुख्तार अहमद ज़ाहिद को शोध के नवीन शीर्षक के अनुसार थीसस (शोध ग्रन्थ) जमा करने हेतु प्रवेश की तिथि से 05 वर्ष का समय दिये जाने का निर्णय लिया गया।

बिन्दु सं0–4 **सत्र 2023–24 में नवीन पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने हेतु गठित समिति की बैठक दिनांक 04–04–2023 के बिन्दु संख्या–1 के क्रम में शिक्षा शास्त्र विभाग में एम.एड. पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये जाने पर विचार।**

परिषद द्वारा विभागाध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र विभाग की अनुशंसा के सापेक्ष विश्वविद्यालय के शैक्षिक सत्र 2023–24 से 50 सीटों के सापेक्ष स्ववित्तपोषित योजना के अर्न्तगत एम0एड0 पाठ्यक्रम आरम्भ करने हेतु समस्त शर्ते पूर्ण करने के उपरान्त संचालित कराये जाने निर्णय लिया गया।
उक्त के अतिरिक्त परिषद् द्वारा यह भी निर्णय लिया गया कि सम्बंधित पाठ्यक्रम से प्राप्त कुल आय का 80 प्रतिशत सम्बंधित पाठ्यक्रम के संचालन में तथा बकाया 20 प्रतिशत आय को विश्वविद्यालय की अन्य मूलभूत सुविधाओं पर व्यय किया जाएगा।

बिन्दु सं0–5 **सत्र 2023–24 में नवीन पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने हेतु गठित समिति की बैठक दिनांक 04–04–2023 के बिन्दु संख्या–2 के क्रम में स्ववित्त पोषित योजनान्तर्गत अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय में एम.टेक. (सिविल स्ट्रक्चर) पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये जाने पर विचार।**

परिषद् द्वारा अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय के अन्तर्गत प्रस्तावित एम0टेक0 (सिविल स्ट्रक्चर) को सत्र 2023–24 से संचालित कराने सम्बंधी प्रस्ताव को स्थगित करने का निर्णय लिया गया।

बिन्दु सं0–6 **सत्र 2023–24 में नवीन पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने हेतु गठित समिति की बैठक दिनांक 04–04–2023 के बिन्दु संख्या–3 के क्रम में बी.ए. (फाइन आर्टस्) एवं एम.ए. (फाइन आर्टस्) पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये जाने पर विचार।**

परिषद द्वारा परीक्षा नियंत्रक द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्ताव के सापेक्ष विश्वविद्यालय के शैक्षिक सत्र 2023–24 से 30–30 सीटों के सापेक्ष स्ववित्तपोषित योजना के अर्न्तगत बी0ए0 (फाइन आर्टस) तथा एम0ए0 (फाइन आर्टस) पाठ्यक्रम आरम्भ करने हेतु समस्त शर्ते पूर्ण करने के उपरान्त संचालित कराये जाने का निर्णय लिया गया।
उक्त के अतिरिक्त परिषद् द्वारा यह भी निर्णय लिया गया कि सम्बंधित पाठ्यक्रम से प्राप्त कुल आय का 80 प्रतिशत सम्बंधित पाठ्यक्रम के संचालन में तथा बकाया 20 प्रतिशत आय को विश्वविद्यालय की अन्य मूलभूत सुविधाओं पर व्यय किया जाएगा।
अग्रेत्तर परिषद् द्वारा निर्धारित सीटों के सापेक्ष अधिक प्रवेश होने की दशा में सीटों की संख्या

को आवश्यकतानुसार बढ़ाने हेतु निम्नानुसार समिति गठित की गयी तथा यह भी निर्णया लिया गया कि समिति की संस्तुतियों को कुलपति महोदय से अनुमोदनोपरान्त लागू किया जाएगा।

गठित समिति –

1. अधिष्ठाता–शैक्षणिक।
2. कुलसचिव।
3. परीक्षा नियंत्रक।

बिन्दु सं0–7 **सत्र 2023–24 में नवीन पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने हेतु गठित समिति की बैठक दिनांक 04–04–2023 के बिन्दु संख्या–4 के क्रम में एम.बी.ए. (फाइनेन्स एवं एकाउंट) पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये जाने पर विचार।**

परिषद द्वारा संकायाध्यक्ष, वाणिज्य संकाय की अनुशंसा के सापेक्ष विश्वविद्यालय के शैक्षिक सत्र 2023–24 से 30 सीटों पर स्ववित्तपोषित योजना के अर्न्तगत एम0बी0ए0 (फाइनेन्स एवं एकाउंट) पाठ्यक्रम आरम्भ करने हेतु समस्त शर्ते पूर्ण करने के उपरान्त संचालन व्यवसाय प्रशासन विभाग के अर्न्तगत वाणिज्य विभाग के सहयोग से संचालित कराये जाने का निर्णय लिया गया।

उक्त के अतिरिक्त परिषद् द्वारा यह भी निर्णय लिया गया कि सम्बंधित पाठ्यक्रम से प्राप्त कुल आय का 80 प्रतिशत सम्बंधित पाठ्यक्रम के संचालन में तथा बकाया 20 प्रतिशत आय को विश्वविद्यालय की अन्य मूलभूत सुविधाओं पर व्यय किया जाएगा।

अग्रेत्तर परिषद् द्वारा निर्धारित सीटों के सापेक्ष अधिक प्रवेश होने की दशा में सीटों की संख्या को आवश्यकतानुसार बढ़ाने करने हेतु निम्नानुसार समिति गठित की गयी तथा यह भी निर्णया लिया गया कि समिति की संस्तुतियों को कुलपति महोदय से अनुमोदनोपरान्त लागू किया जाएगा।

गठित समिति –

1. अधिष्ठाता–शैक्षणिक।
2. कुलसचिव।
3. परीक्षा नियंत्रक।

बिन्दु सं0–8 **सत्र 2023–24 में नवीन पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने हेतु गठित समिति की बैठक दिनांक 04–04–2023 के बिन्दु संख्या–5 के क्रम में फार्मेसी पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये जाने पर विचार।**

परिषद द्वारा विश्वविद्यालय में सत्र 2023–24 से फार्मेसी से सम्बंधित बी0फार्मा0 तथा डी0फार्मा0 पाठ्यक्रम से सम्बंधित प्रस्ताव तैयार करने हेतु गठित समिति द्वारा प्रेषित प्रस्ताव के अनुसार स्ववित्तपोषित योजना के अर्न्तगत बी0फार्मा तथा डी0फार्मा पाठ्यक्रम में 30–30 सीटो पर प्रवेश दिये जाने का निर्णय लिया गया।

उक्त के अतिरिक्त फार्मेसी पाठ्यक्रमों से सम्बंधित विभिन्न संस्थाओं एवं शासन से पत्राचार आदि के सुचारु सम्पादन हेतु परिषद् द्वारा निम्नानुसार शिक्षकों को नामित किया गया–

1. डॉ0 ममता शुक्ला, सह आचार्य, बायोटेकनोलाजी विभाग – उप निदेशक।
2. डॉ0 सुमन कुमार मिश्रा, सहायक आचार्य, कम्प्यूटर साईंस इं0 – समन्वयक।

अग्रेत्तर परिषद् द्वारा निर्धारित सीटों के सापेक्ष अधिक प्रवेश होने की दशा में सीटों की संख्या को आवश्यकतानुसार बढ़ाने हेतु निम्नानुसार समिति गठित की गयी तथा यह भी निर्णया लिया गया कि समिति की संस्तुतियों को कुलपति महोदय से अनुमोदनोपरान्त लागू किया जाएगा।

गठित समिति –

1. अधिष्ठाता–शैक्षणिक।
2. कुलसचिव।

3. परीक्षा नियंत्रक।

बिन्दु सं0–9 **सत्र 2023–24 में नवीन पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने हेतु गठित समिति की बैठक दिनांक 04–04–2023 के बिन्दु संख्या–6 के क्रम में बी.पी.एड. पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये जाने पर विचार।**

परिषद् के सम्मुख प्रो0 मसऊद आलम द्वारा अवगत कराया गया कि विषय प्रभारी शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा विभाग में मूलभूत सुविधाऐं न होने के कारण इस समय बी0पी0एड0 पाठ्यक्रम संचालित न किया जाने की बात कही गयी है। तत्क्रम में परिषद द्वारा सत्र 2023–24 से बी0पी0एड0 पाठ्यक्रम के संचालन सम्बंधी प्रस्ताव को स्थगित करने का निर्णय लिया गया।

बिन्दु सं0–10 **प्रो. तनवीर खदीजा द्वारा सत्र 2023–24 में स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत तीन वर्षीय बी.ए. पाठ्यक्रम (फ्रेंच, जर्मन, चाइनीज़ एवं जैपनीज़) प्रारम्भ किये जाने हेतु उपलब्ध कराये गये प्रस्ताव पर विचार।**

विश्वविद्यालय में बी0ए0 फ्रेंच पाठ्यक्रम पूर्व से ही संचालित होने के कारण विद्या परिषद् द्वारा विभागाध्यक्ष, अंग्रेज़ी तथा एम0ई0ए0एल0 की अनुशंसा के सापेक्ष विश्वविद्यालय के शैक्षिक सत्र 2023–24 से 30–30 सीटों पर स्ववित्तपोषित योजना के अर्न्तगत **बी0ए0 (जर्मन, चाइनीज़ एवं जैपनीज़)** पाठ्यक्रम आरम्भ करने हेतु समस्त शर्ते पूर्ण करने के उपरान्त संचालित किये जाने का निर्णय लिया गया।

उक्त के अतिरिक्त परिषद् द्वारा यह भी निर्णय लिया गया कि सम्बंधित पाठ्यक्रम से प्राप्त कुल आय का 80 प्रतिशत सम्बंधित पाठ्यक्रम के संचालन में तथा बकाया 20 प्रतिशत आय को विश्वविद्यालय की अन्य मूलभूत सुविधाओं पर व्यय किया जाएगा।

अग्रेत्तर परिषद् द्वारा निर्धारित सीटों के सापेक्ष अधिक प्रवेश होने की दशा में सीटों की संख्या को आवश्यकतानुसार बढ़ाने हेतु निम्नानुसार समिति गठित की गयी तथा यह भी निर्णया लिया गया कि समिति की संस्तुतियों को कुलपति महोदय से अनुमोदनोपरान्त लागू किया जाएगा।

गठित समिति –

1. अधिष्ठाता–शैक्षणिक।
2. कुलसचिव।
3. परीक्षा नियंत्रक।

बिन्दु सं0–11 **विश्वविद्यालय में संचालित बी.टेक. एवं बी.बी.ए./एम.बी.ए. पाठ्यक्रम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अनुसार Multiple Entry and Exit System को लागू किये जाने पर विचार।**

परिषद् द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अर्न्तगत बी0टेक0 एवं बी0बी0ए0/एम0बी0ए0 पाठ्यक्रमों में Multiple Entry and Exit System के सापेक्ष पूर्ण प्रस्ताव तैयार करने हेतु निम्नानुसार समिति गठित की गयी है–

1. प्रो0 कुलदीप सहाय, आई0ई0टी0, लखनऊ। – सदस्य।
2. प्रो0 सी0के0 दीक्षित, डॉ0श0मि0रा0पु0 विश्वविद्यालय, लखनऊ। – सदस्य।
3. प्रो0 सौबान सईद, अधिष्ठाता–शैक्षणिक – समन्वयक।
4. प्रो0 सैय्यद हैदर अली, विभागाध्यक्ष, व्यवसाय प्रशासन विभाग – सदस्य।
5. प्रो0 संजीव कु0 त्रिवेदी, प्रभारी निदेशक, अभि0 एवं प्रौ0 संकायाध्यक्ष – सदस्य।

बिन्दु सं0–12 **गठित समिति द्वारा संशोधित किये गये Ph.D. Ordinance 2023 के अनुमोदन पर विचार।**

परिषद् के सम्मुख प्रस्तुत संशोधित Ph.D. Ordinance 2023 पर विचार विमर्श करने के उपरान्त समस्त सदस्यों द्वारा Ph.D. Ordinance 2023 को सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।

बिन्दु सं0–13 **प्रो. मसऊद आलम द्वारा सत्र 2023–24 में स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत तीन वर्षीय बी.ए. (पॉली) पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये जाने हेतु उपलब्ध कराये गये प्रस्ताव पर विचार।**

परिषद द्वारा संकायाध्यक्ष, कला एवं मानविकी संकाय द्वारा की गयी अनुशंसा के सापेक्ष विश्वविद्यालय के शैक्षिक सत्र 2023–24 से 30 सीटों पर स्ववित्तपोषित योजना के अर्न्तगत बी0ए0 (पाली) पाठ्यक्रम आरम्भ करने हेतु समस्त शर्ते पूर्ण करने के उपरान्त संचालित कराय जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया।
उक्त के अतिरिक्त परिषद् द्वारा यह भी निर्णय लिया गया कि सम्बंधित पाठ्यक्रम से प्राप्त कुल आय का 80 प्रतिशत सम्बंधित पाठ्यक्रम के संचालन में तथा बकाया 20 प्रतिशत आय को विश्वविद्यालय की अन्य मूलभूत सुविधाओं पर व्यय किया जाएगा।
अग्रेत्तर परिषद् द्वारा निर्धारित सीटों के सापेक्ष अधिक प्रवेश होने की दशा में सीटों की संख्या को आवश्यकतानुसार बढ़ाने हेतु निम्नानुसार समिति गठित की गयी तथा यह भी निर्णय लिया गया कि समिति की संस्तुतियों को कुलपति महोदय से अनुमोदनोपरान्त लागू किया जाएगा।

गठित समिति –

1. अधिष्ठाता–शैक्षणिक।
2. कुलसचिव।
3. परीक्षा नियंत्रक।

अन्य बिन्दु माननीय कुलपति महोदय की अनुमति से।

अन्य बिन्दु–1 **संकायाध्यक्ष, कला एवं मानविकी संकाय द्वारा भाषा संर्वधन केन्द्र के सम्बन्ध में प्रेषित प्रस्ताव को परिषद् द्वारा सैद्धान्तिक सहमति प्रदान करते हुए पुनः सुस्पष्ट प्रस्ताव प्रेषित किये जाने हेतु निम्नानुसार समिति गठित की गयी –**

1. प्रो0 मसऊद आलम, संकायाध्यक्ष, कला एवं मानविकी संकाय – समन्वयक।
2. प्रो0 रजनी रंजन सिंह, शिक्षाशास्त्र विभाग, डॉ0 श0मि0रा0पु0वि0वि0 – सदस्य।
3. प्रो0 वीरेन्द्र सिंह यादव, हिन्दी विभाग, डॉ0 श0मि0रा0पु0वि0वि0 – सदस्य।
4. प्रो0 कविता रस्तोगी, लिंगयुस्टिक विभाग, लखनऊ वि0वि0 – सदस्य।
5. डॉ0 जमाल शब्बीर रिज़वी, सह आचार्य, उर्दू विभाग – सदस्य।
6. डॉ0 वसी अ0 आज़म अंसारी, सहा0 आचार्य उर्दू विभाग – सदस्य।
7. डॉ0 हारुन रशीद, सहा0 आचार्य, अंग्रेज़ी विभाग – सदस्य।
8. डॉ0 आमिना हुसौन, सहा0 आचार्य, अंग्रेज़ी विभाग – सदस्य।

परिषद् द्वारा गठित समिति को "भाषा संर्वधन केन्द्र" के सम्बन्ध में सुस्पष्ट प्रस्ताव एक (01) माह में तैयार कराने के निर्देश दिये गये तथा समन्वयक को समस्त सदस्यों से समन्वय स्थापित कराने के निर्देश दिये गये।

अन्य बिन्दु–2 अधिष्ठाता–शैक्षणिक द्वारा परिषद् के सम्मुख सत्र 2023–24 के प्रास्पेकटस में अंकित विभिन्न पाठ्यक्रमों में कम प्रवेश होने की सम्भावना से सम्बंधित सीटों की संख्या के पुनर्निर्धारण की आवश्यकता से अवगत कराया गया।

उक्त क्रम में परिषद् द्वारा ऐसे पाठ्यक्रम जिनमें अंकित सीटों की संख्या के सापेक्ष प्रवेश बहुत कम होते है, निर्णय लिया गया कि ऐसे समस्त पाठ्यक्रमों को गत वर्षो के प्रवेश का आकलन करते हुए चिन्हित कर आवश्यकतानुसार सीटों की संख्या पुनर्निर्धारण करने के लिये अधिष्ठाता–शैक्षणिक की अनुशंसा पर कुलपति महोदय को सर्वसम्मति से अधिकृत किया गया है।

अन्त में समस्त सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए विद्या परिषद् की बैठक सम्पन्न हुई।

(अजय कृष्ण यादव)
कुलसचिव/सदस्य सचिव

(प्रो0 एन0बी0 सिंह)
कुलपति/अध्यक्ष।